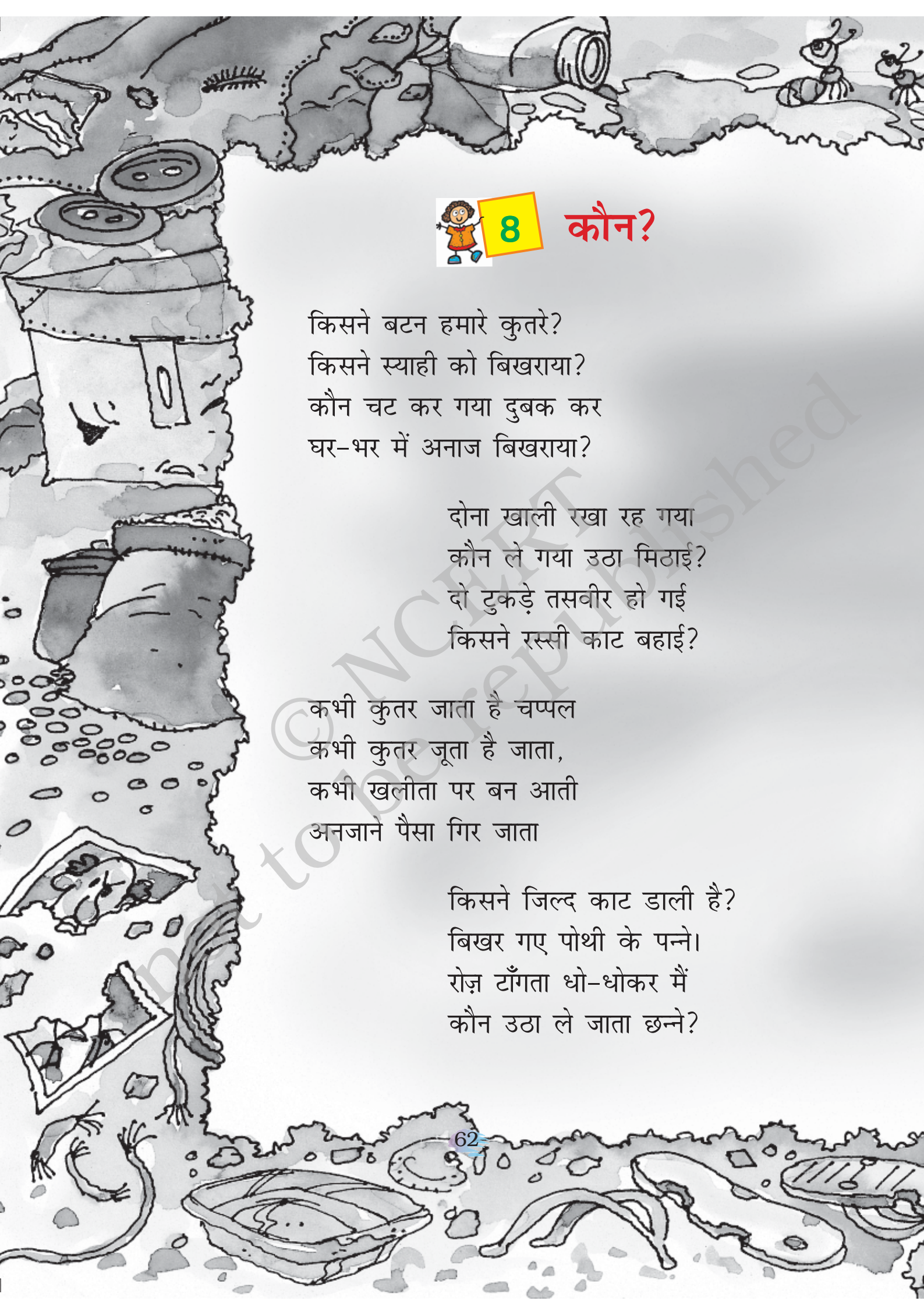

8 कौन?

किसने बटन हमारे कुतरे?
किसने स्याही को बिखराया?
कौन चट कर गया दुबक कर
घर-भर में अनाज बिखराया?

दोना खाली रखा रह गया
कौन ले गया उठा मिठाई?
दो टुकड़े तसवीर हो गई
किसने रस्सी काट बहाई?

कभी कुतर जाता है चप्पल
कभी कुतर जूता है जाता,
कभी खलीता पर बन आती
अनजाने पैसा गिर जाता

किसने जिल्द काट डाली है?
बिखर गए पोथी के पन्ने।
रोज़ टाँगता धो-धोकर मैं
कौन उठा ले जाता छन्ने?

© NCERT not to be republished

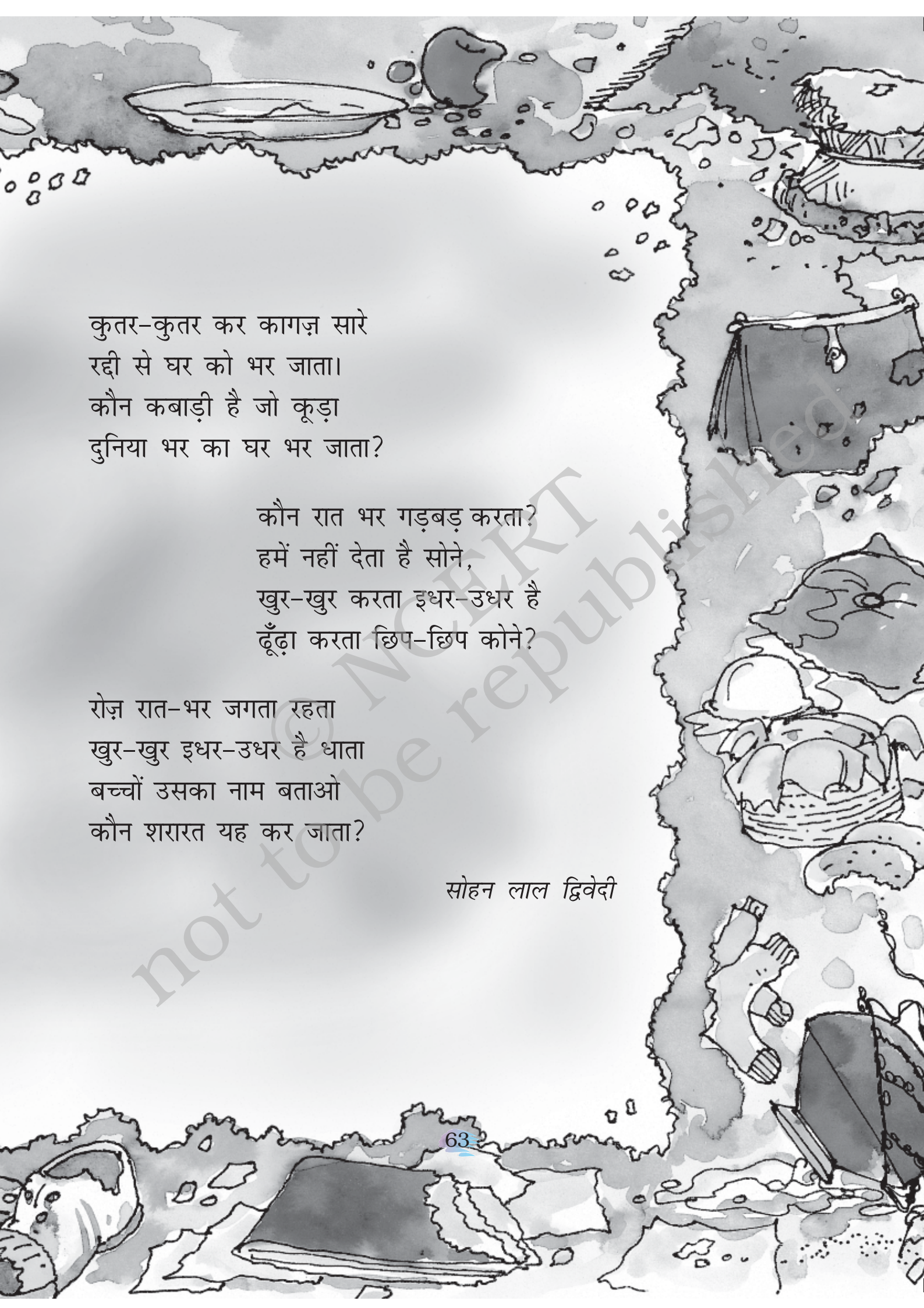

कुतर-कुतर कर कागज़ सारे
रद्दी से घर को भर जाता।
कौन कबाड़ी है जो कूड़ा
दुनिया भर का घर भर जाता?

कौन रात भर गड़बड़ करता?
हमें नहीं देता है सोने,
खुर-खुर करता इधर-उधर है
ढूँढ़ा करता छिप-छिप कोने?

रोज़ रात-भर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है धाता
बच्चों उसका नाम बताओ
कौन शरारत यह कर जाता?

सोहन लाल द्विवेदी

© NCERT not to be republished

कविता से

(क) कविता पढ़कर बताओ कि यह शरारती जीव घर में कहाँ-कहाँ गया?

(ख) किस तरह की चीज़ों का सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ?

(ग) कविता में बहुत से नुकसान गिनाए गए हैं। तुम्हारे हिसाब से इनमें से कौन-सा नुकसान सबसे बड़ा है? क्यों?

(घ) इस कविता में किसकी शैतानियों की बात कही गई है? तुमने कैसे अनुमान लगाया?

कभी कुतर जाता है चप्पल

शरारती जीव ने बहुत सारी चीज़ों को कुतरा, बिखराया और काटा। अब तुम बताओ कि किन-किन चीज़ों को–

कुतरा जा सकता है	बिखराया जा सकता है	काटा जा सकता है
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

कबाड़ का हिसाब

(क) कबाड़ी क्या-क्या सामान खरीदते हैं?

(ख) तुम्हारे घर से सामान ले जा कर कबाड़ी उसका क्या करते हैं?

(ग) पता करो कि पुराना अखबार या रद्दी किस भाव से बिकते हैं?

(घ) अगर कबाड़ी तुम्हारे घर का कबाड़ न खरीदे तो क्या होगा?

© NCERT not to be republished

घुसपैठ

(क) तुम्हारे घर में भी यदि यह शरारती जीव है या उसकी फ़ौज घुस गई है तो पता करो कि उससे कैसे निपटा जाता है।

(ख) इस शरारती जीव के अलावा और कौन-कौन से जीव तुम्हारे घर में घुस जाते हैं?

....

....

....

बूझो

नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़ो। जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है, उनका अर्थ आपस में चर्चा करके बताओ।

(क) *कभी <u>खलीता</u> पर बन आती*
अनजाने पैसा गिर जाता

(ख) *रोज़ टाँगता धो-धोकर मैं*
कौन उठा ले जाता <u>छन्ने</u>

(ग) *रोज़ रात-भर जगता रहता*
खुर-खुर इधर-उधर है <u>धाता</u>

© NCERT not to be republished